कुछ सुहागरात सा-2

“मेरे घूमते ही लक्की मेरी पीठ से चिपक गया और अपने दोनों हाथ मेरे मम्मों पर रख दिये। मैंने नीचे मम्मों को देखा… मेरे दोनों कबूतरों को जो उसके हाथों की गिरफ़्त में थे। उसने एक झटके में मुझे अपने से चिपका लिया और अपना बलिष्ठ लण्ड मेरे चूतड़ों की दरार में घुमाने लगा। मैंने […] …”

Story By: lakshmi kanvar (lakshmikanvar)
Posted: Friday, April 23rd, 2010
Categories: कोई मिल गया
Online version: कुछ सुहागरात सा-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कुछ सुहागरात सा-2

मेरे घूमते ही लक्की मेरी पीठ से चिपक गया और अपने दोनों हाथ मेरे मम्मों पर रख दिये। मैंने नीचे मम्मों को देखा… मेरे दोनों कबूतरों को जो उसके हाथों की गिरफ़्त में थे। उसने एक झटके में मुझे अपने से चिपका लिया और अपना बलिष्ठ लण्ड मेरे चूतड़ों की दरार में घुमाने लगा। मैंने अपनी दोनों टांगों को खोल कर उसे अपना लण्ड ठीक से घुसाने में मदद की।

उफ़्फ़ ! ये तो मोमबत्ती जैसा बिल्कुल भी नहीं लगा। कैसा नरम-सख्त सा मेरी गाण्ड के छेद से सटा हुआ… गुदगुदा रहा था।

मैंने सारे आनन्द को अपने में समेटे हुये अपना चेहरा घुमा कर ऊपर दिया और अपने होंठ खोल दिये। लक्की ने बहुत सम्हाल कर मेरे होंठों को फिर से पीना शुरू कर दिया। इन सारे अहसास को… चुभन को… मम्मों को दबाने से लेकर चुम्बन तक के अहसास को महसूस करते करते मेरी चूत से पानी की दो बून्दें रिस कर निकल गई। मेरी चूत में एक मीठेपन की कसक भरने लगी।

“दीदी… प्लीज मेरा लण्ड पकड़ लो ना… प्लीज !”

मैंने अपनी आँखें जैसे सुप्तावस्था से खोली, मुझे और क्या चाहिये था। मैंने अपना हाथ नीचे बढ़ाते हुये अपने दिल की इच्छा भी पूरी की। उसका लण्ड पजामे के ऊपर से पकड़ लिया।

“भैया ! बहुत अच्छा है… मोटा है… लम्बा है… ओह्ह्ह्ह्ह !”

उसने अपना पजामा नीचे सरका दिया तो वो नीचे गिर पड़ा। फिर उसने अपनी छोटी सी

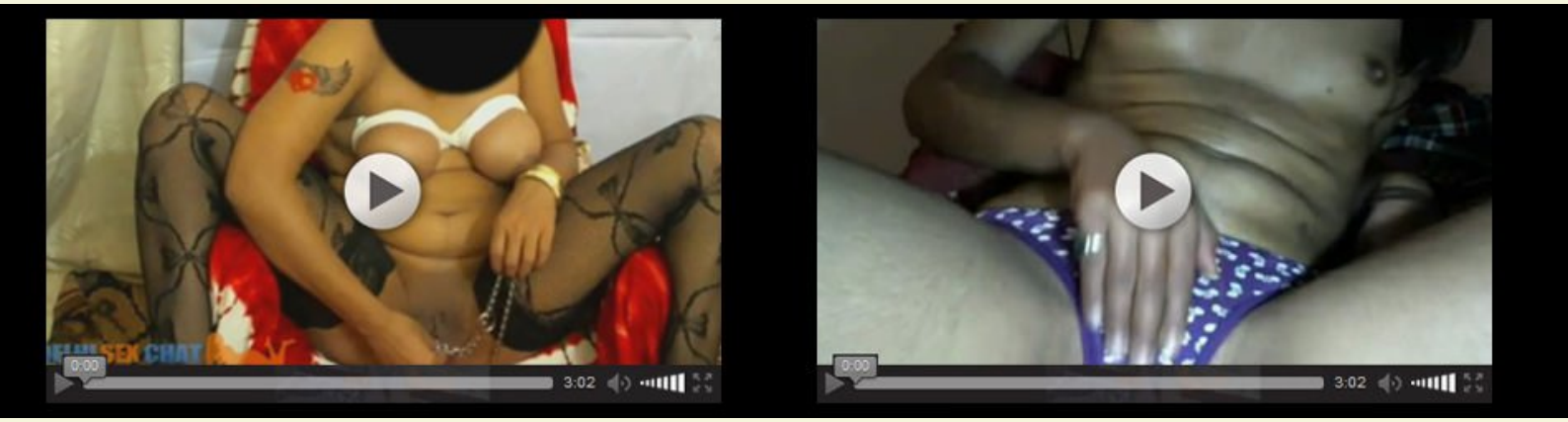

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अण्डरवियर भी नीचे खिसका दी। उसका नंगा लण्ड तो बिल्कुल मोमबत्ती जैसा नहीं था राम… !! यह तो बहुत ही गुदगुदा… कड़क… और टोपे पर गीला सा था। मेरी चूत लपलपा उठी… मोमबती लेते हुये बहुत समय हो गया था अब असली लण्ड की बारी थी। उसने मेरे पाजामे का नाड़ा खींचा और वो झम से नीचे मेरे पांवों पर गिर पड़ा।

“दीदी चलो, एक बात कहूँ ?”

“क्या… ?”

“सुहागरात ऐसे ही मनाते हैं !है ना… ?”

“नहीं… वो तो बिस्तर पर घूंघट डाले दुल्हन की चुदाई होती है।”

तो दीदी, दुल्हन बन जाओ ना… मैं दूल्हा… फिर अपन दोनों सुहागरात मनायें ?”

मैंने उसे देखा… वो तो मुझे जैसे चोदने पर उतारू था। मेरे दिल में एक गुदगुदी सी हुई, दुल्हन बन कर चुदने की इच्छा… मैं बिस्तर पर जा कर बैठ गई और अपनी चुन्नी सर पर दुल्हनिया की तरह डाल ली।

वो मेरे पास दूल्हे की तरह से आया और धीरे से मेरी चुन्नी वाला घूँघट ऊपर किया। मैंने नीचे देखते हुये थरथराते हुये होंठों को ऊपर कर दिया। उसने अपने अधर एक बार फ़िर मेरे अधरों से लगा दिये… मुझे तो सच में लगने लगा कि जैसे मैं दुल्हन ही हूँ। फिर उसने मेरे शरीर पर जोर डालते हुये मुझे लेटा दिया और वो मेरे ऊपर छाने लगा। मेरी कठोर चूचियाँ उसने दबा दी। मेरी दोनों टांगों के बीच वो पसरने लगा। नीचे से तो हम दोनो नंगे ही थे। उसका लण्ड मेरी कोमल चूत से भिड़ गया।

“उफ़्फ़्फ़… उसका सुपारा… ” मेरी चूत को खोलने की कोशिश करने लगा। मेरी चूत

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

लपलपा उठी। पानी से चिकनी चूत ने अपना मुख खोल ही दिया और उसके सुपारे को सरलता से निगल लिया- यह तो बहुत ही लजीज है… सख्त और चमड़ी तो मुलायम है।

“भैया… बहुत मस्त है… जोर से घुसा दे… आह्ह्ह्ह्ह… मेरे राजा…”

मैंने कैंची बना कर उसे जैसे जकड़ लिया। उसने अपने चूतड़ उठा कर फिर से धक्का मारा…

“उफ़्फ़्फ़्फ़… मर गई रे… दे जरा मचका के… लण्ड तो लण्ड ही होता है राम…”

उसके धक्के तो तेज होते जा रहे थे… फ़च फ़च की आवाजें तेज हो गई… यह किसी मर्द के साथ मेरी पहली चुदाई थी… जिसमें कोई झिल्ली नहीं फ़टी… कोई खून नहीं निकला… बस स्वर्ग जैसा सुख… चुदाई का पहला सुख… मैं तो जैसे खुशी के मारे लहक उठी। फिर मैं धीरे धीरे चरमसीमा को छूने लगी। आनन्द कभी ना समाप्त हो । मैं अपने आप को झड़ने से रोकती रही… फिर आखिर मैं हार ही गई… मैं जोर से झड़ने लगी। तभी लक्की भी चूत के भीतर ही झड़ने लगा। मुझसे चिपक कर वो यों लेट गया कि मानो मैं कोई बिस्तर हूँ।

“हो गई ना सुहाग रात हमारी… ?”

“हाँ दीदी… कितना मजा आया ना… !”

“मुझे तो आज पता चला कि चुदने में कितना मजा आता है राम…”

बाहर बरसात अभी भी तेजी पर थी। लक्की मुझे मेरा टॉप उतारने को कहने लगा। उसने अपनी बनियान उतार दी और पूरा ही नंगा हो गया। उसने मेरा भी टॉप उतारने की गरज से उसे ऊपर खींचा। मैंने भी यंत्रवत हाथ ऊपर करके उसे टॉप उतारने की सहूलियत दे दी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

हम दोनो जवान थे, आग फिर भड़कने लगी थी… बरसाती मौसम वासना बढ़ाने में मदद कर रहा था। लक्की बिस्तर पर बैठे बैठे ही मेरे पास सरक आया और मुझसे पीछे से चिपकने लगा। वहाँ उसका इठलाया हुआ सख्त लण्ड लहरा रहा था। उसने मेरी गाण्ड का निशाना लिया और मेरी गाण्ड पर लण्ड को दबाने लगा।

मैंने तुरन्त उसे कहा- तुम्हारे लण्ड को पहले देखने तो दो… फिर उसे चूसना भी है।

वो खड़ा हो गया और उसने अपना तना हुआ लण्ड मेरे होंठों से रगड़ दिया। मेरा मुख तो जैसे आप ही खुल गया और उसका लण्ड मेरे मुख में फ़ंसता चला गया। बहुत मोटा जो था। मैंने उसे सुपारे के छल्ले को ब्ल्यू फ़िल्म की तरह नकल करते हुये जकड़ लिया और उसे घुमा घुमा कर चूसने लगी। मुझे तो होश भी नहीं रहा कि आज मैं ये सब सचमुच में कर रही हूँ।

तभी उसकी कमर भी चलने लगी… जैसे मुँह को चोद रहा हो। उसके मुख से तेज सिसकारियाँ निकलने लगी। तभी लक्की का ढेर सारा वीर्य निकल पड़ा। मुझे एकदम से खांसी उठ गई… शायद गले में वीर्य फ़ंसने के कारण। लक्की ने जल्दी से मुझे पानी पिलाया।

पानी पिलाने के बाद मुझे पूर्ण होश आ चुका था। मैं पहले चुदने और फिर मुख मैथुन के अपने इस कार्य से बेहद विचलित सी हो गई थी… मुझे बहुत ही शर्म आने लगी थी। मैं सर झुकाये पास में पड़ी कुर्सी पर बैठ गई।

“लक्की… सॉरी… सॉरी…”

“दीदी, आप तो बेकार में ही ऐसी बातें कर रहीं हैं… ये तो इस उम्र में अपने आप हो जाता है… फिर आपने तो अभी किया ही क्या है ?”

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

“इतना सब तो कर लिया… बचा क्या है ?”

“सुहागरात तो मना ली… अब तो बस गाण्ड मारनी बाकी है।”

मुझे शरम आते हुये भी उसकी इस बात पर हंसी आ गई।

“यह बात हुई ना… दीदी… हंसी तो फ़ंसी… तो हो जाये एक बार… ?”

“एक बार क्या हो जाये…” मैंने उसे हंसते हुये कहा।

“अरे वही… मस्त गाण्ड मराई… देखना दीदी मजा आ जायेगा…”

“अरे… तू तो बस… रहने दे…”

फिर मुझे लगा कि लक्की ठीक ही तो कह रहा है… फिर करो तो पूरा ही कर लेना चाहिये… ताकि गाण्ड नहीं मरवाने का गम तो नहीं हो अब मोमबत्ती को छोड़, असली लण्ड का मजा तो ले लूँ।

“दीदी… बिना कपड़ों के आप तो काम की देवी लग रही हो…!”

“और तुम… अपना लण्ड खड़ा किये कामदेव जैसे नहीं लग रहे हो… ?” मैंने भी कटाक्ष किया।

“तो फिर आ जाओ… इस बार तो…”

“अरे… धत्त… धत्त… हटो तो…”

मैं उसे धीरे से धक्का दे कर दूसरे कमरे में भागी। वो भी लपकता हुआ मेरे पीछे आ गया और मुझे पीछे से कमर से पकड़ लिया। और मेरी गाण्ड में अपना लौड़ा सटा दिया।

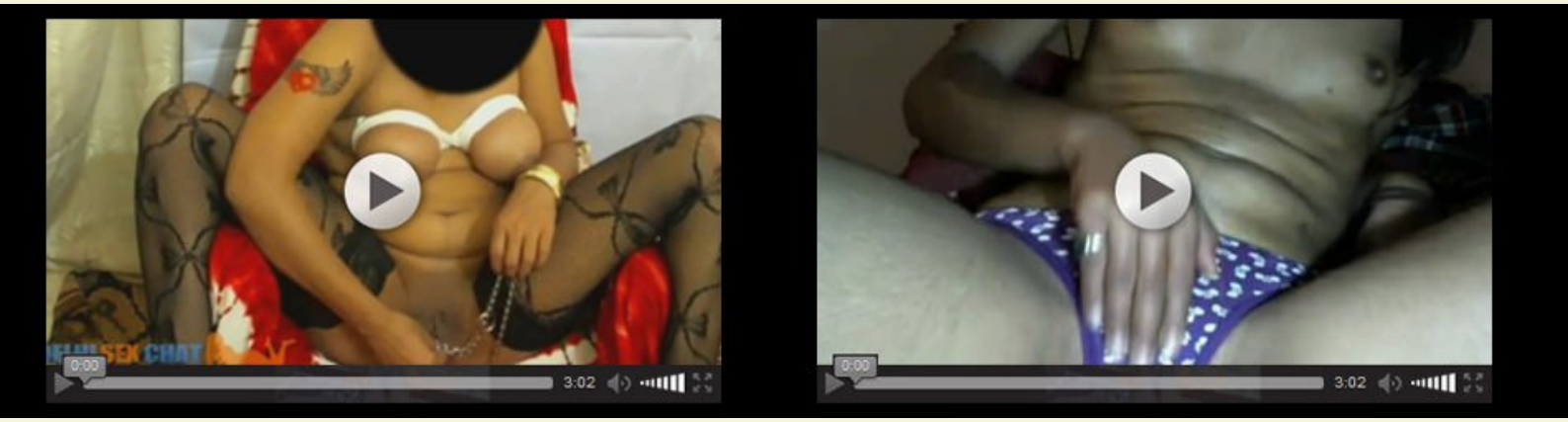

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

“कब तक बचोगी से लण्ड से…”

“और तुम कब तक बचोगे… ? इस लण्ड को तो मैं खा ही जाऊँगी।”

उसका लण्ड मेरी गाण्ड के छेद में मुझे घुसता सा लगा। यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं।

“अरे रुको तो… वो क्रीम पड़ी है… मैं झुक जाती हूँ… तुम लगा दो।”

लक्की मुस्कराया… उसने क्रीम की शीशी उठाई और अपने लण्ड पर लगा ली… फिर मैं झुक गई… बिस्तर पर हाथ लगाकर बहुत नीचे झुक कर क्रीम लगाने का इन्तजार करने लगी। वह मेरी गाण्ड के छिद्र में गोल झुर्रियों पर क्रीम लगाने लगा। फिर उसकी अंगुली गाण्ड में घुसती हुई सी प्रतीत हुई। एक तेज मीठी सी गुदगुदी हुई। उसके यों अंगुली करने से बहुत आनन्द आने लगा था। अच्छा हुआ जो मैं चुदने को राजी हो गई वरना इतना आनन्द कैसे मिलता।

उसके सुपारा तो चिकनाई से बहुत ही चिकना हो गया था। उसने मेरी गाण्ड के छेद पर सुपारा लगा दिया। मुझे उसका सुपारा महसूस हुआ फिर जरा से दबाव से वो अन्दर उतर गया।

“उफ़्फ़्फ़ ! यह तो बहुत आनन्दित करने वाला अनुभव है।”

“दर्द तो नहीं हुआ ना…”

“उह्ह्ह… बिल्कुल नहीं ! बल्कि मजा आया… और तो ठूंस… !’

“अब ठीक है… लगी तो नहीं।”

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

“अरे बाबा… अन्दर धक्का लगा ना।”

वह आश्चर्य चकित होते हुये समझदारी से जोर लगा कर लण्ड घुसेड़ने लगा।

“उस्स्स्स्स… घुसा ना… जल्दी से… जोर से…”

इस बार उसने अपना लण्ड ठीक से सेट किया और तीर की भांति अन्दर पेल दिया।

“इस बार दर्द हुआ…”

“ओ…ओ…ओ… अरे धीरे बाबा…”

“तुझे तो दीदी, दर्द ही नहीं होता है… ?”

“तू तो… ? अरे कर ना… !”

“चोद तो रहा हूँ ना… !”

उसने मेरी गाण्ड चोदना शुरू कर दिया… मुझे मजा आने लगा। उसका लम्बा लण्ड अन्दर बाहर घुसता निकलता महसूस होने लगा था। उसने अब एक अंगुली मेरी चूत में घुमाते हुये डाल दी। बीच बीच में वो अंगुली को गाण्ड की तरफ़ भी दबा देता था तब उसका गाण्ड में फ़ंसा हुआ लण्ड और उसकी अंगुली मुझे महसूस होती थी। उसका अंगूठा और एक अंगुली मेरे चुचूकों को गोल गोल दबा कर खींच रहे थे। सब मिला कर एक अद्भुत स्वर्गिक आनन्द की अनुभूति हो रही थी। आनन्द की अधिकता से मेरा पानी एक बार फिर से निकल पड़ा… उसने भी साथ ही अपना लण्ड का वीर्य मेरी गाण्ड में ही निकाल दिया।

बहुत आनन्द आया… जब तक उसका इन्टरव्यू चलाता रहा… उसने मुझे उतने दिनों तक सुहानी चुदाई का आनन्द दिया। मोमबत्ती का एक बड़ा फ़ायदा यह हुआ कि उससे तराशी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

हुई मेरी गाण्ड और चूत को एकदम से उसका भारी लण्ड मुझे झेलना नहीं पड़ा। ना ही तो मुझे झिल्ली फ़टने का दर्द हुआ और ना ही गाण्ड में पहली बार लण्ड लेने से कोई दर्द हुआ।... बस आनन्द ही आनन्द आया... ।

एक वर्ष के बाद मेरी भी शादी हो गई... पर मैं कुछ कुछ सुहागरात तो मना ही चुकी थी। पर जैसा कि मेरी सहेलियों ने बताया था कि जब मेरी झिल्ली फ़टेगी तो बहुत तेज दर्द होगा... तो मेरे पति को मैंने चिल्ला-चिल्ला कर खुश कर दिया कि मेरी तो झिल्ली फ़ाड़ दी तुमने... वगैरह...

गाण्ड चुदाते समय भी जैसे मैंने पहली बार उद्घाटन करवाया हो... खूब चिल्ल-पों की...

आपको को जरूर हंसी आई होगी मेरी इस बात पर... पर यह जरूरी है, ध्यान रखियेगा...

लक्ष्मी कंवर

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

मेरा गुप्त जीवन- 183

किरण की कुंवारेपन की नौटंकी जब मौसी पलंग से उठ कर मुझसे दूर भागने लगी कि अब और नहीं करवा सकती मैं, तब ही मैंने मौसी को छोड़ा और फिर हम दोनों नंगे ही एक दूसरे की बाहों में गहरी […]
Full Story >>>

बड़ी उम्र की कुंवारी लड़की की मस्त चुदाई

नमस्कार, मैं मनोज दिल्ली मैं जॉब करने वाला अकेला रहने वाला बहुत ही मस्त नेचर और सबसे घुल-मिल कर रहने वाला लड़का हूँ.. क्योंकि मैं अच्छी पोज़िशन में हूँ और बड़े घर से हूँ.. तो मैंने कार भी बहुत जल्दी […]
Full Story >>>

सुहागरात पर मेरी चूत की सील खुली

नमस्ते मित्रो, मेरा नाम प्रिया है। मैं आप सब लोगों को अपनी पहली चुदाई यानि अपनी सुहागरात की बात बताने जा रही हूँ। यह करीब आज से 6 महीने पहले की बात है, जब मेरी शादी की बात मेरे घर […]
Full Story >>>

वो मेरी सुहागरात की बात

दोस्तो मेरा नाम मनदीप कौर है, मेरे पति का नाम लवप्रीत सिंह है, हम पंजाब के गुरदासपुर का रहने वाले हैं। अन्तर्वासना पर यह हमारी पहली कहानी है। बहुत समय से मेरी इच्छा थी कि मैं भी मेरी सेक्स स्टोरी […]
Full Story >>>

शादी से पहले सुहागरात

नमस्कार दोस्तो,.. मेरा नाम विकास कुमार है.. मैं बिहार का रहने वाला हूँ। यह घटना मेरे जीवन की एक सच्ची घटना है… इस घटना में किसी तरह का काल्पनिकता या बनावट नहीं है। बात उन दिनों की है.. जब मैं […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

FSI Blog

Every day FSIBlog.com brings you the hottest freshly leaked MMS videos from India.

Indian Gay Site

#1 Gay Sex and Bisexual Site for Indians.

Meri Sex Story

मैं हूँ मस्त कामिनी... मस्त मस्त कामिनी... मेरी सेक्स स्टोरी डॉट कॉम अत्यधिक तीव्र गति से लोकप्रिय होती जा रही है, मेरी सेक्स स्टोरी साईट उत्तेजक तथा रोमांचक कहानियों का खजाना है...

Velamma

Vela as her loved ones like to call her is a loving and innocent South Indian Aunty. However like most of the woman in her family, she was blessed with an extremely sexy figure with boobs like they came from heaven! Visit the website and check the first 3 episodes for free.

Suck Sex

Suck Sex is the Biggest & most complete Indian Sex Magazine for Indian Sex stories, porn videos and sex photos. You will find the real desi actions in our Indian tubes, lusty stories are for your entertainment and high resolution pictures for the near vision of the sex action. Watch out for desi girls, aunties, scandals and more and IT IS ABOLUTELY FREE!

Indian Porn Live

Go and have a live video chat with the hottest Indian girls.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire